542

MASA-02

June - Examination 2019

M.A. (Previous) Sanskrit Examination

ललित साहित्य एवं नाटक

Paper - MASA-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) कालिदास का कौनसा रूपक त्रोटक कोटि का है?

(ii) गीतिकाव्य किसे कहा जाता है?

(iii) काव्य के कितने भेद हैं? नाम लिखिए।

(iv) मेघदूतम् का सिंहली अनुवाद किस विद्वान द्वारा तथा कब किया गया?

(v) मृच्छकटिकम् कितने अंकों का व किस प्रकार का रूपक है?

(vi) नाट्यकार हर्षवर्धन की कृतियों का उल्लेख कीजिए।

(vii) अर्थप्रकृति के पंचप्रकारों का उल्लेख कीजिए।

(viii) धीरोदात्त नायक का क्या लक्षण है?

खण्ड – ब $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ, प्रसंग एवं अन्वय सहित हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए।

(i) धूमज्योतिः सलिलमरुतां सन्निपात क्व मेघः
सन्देशार्थाः क्व पटुकरणैः प्राणिभिः प्रापणीयाः।
इत्यौत्सुक्यादपरिगणयन् गुह्यकस्तं ययाचे,
कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु।।

अथवा

(ii) समुत्खाता नन्दा नव हृदयरोगा इव भुवः
कृता मौर्य्ये लक्ष्मीः सरसि नलिनीव स्थिरपदा।
द्वयोः सारं तुल्यं द्वितयमभियुक्तेन मनसा
फलं कोप–प्रीत्योर्द्विषति च विभक्तं सुहृदि च।।

3) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या संस्कृतभाषा में कीजिए।

(i) सुखं हि दुःखान्यनुभूय शोभते
घनान्धकारेष्विव दीपदर्शनम्।
सुखात्तु यो याति नरो दरिद्रतां
धृतः शरीरेण मृतः स जीवति।।

अथवा

(ii) अवन्तिपुर्य्यां द्विजसार्थवाहो, युवादरिद्रः किल चारुदत्तः।
गुणानुरक्ता गणिका च यस्य वसन्तशोभेव वसन्तसेना।।

4) मुक्तक एवं प्रबन्ध गीतिकाव्य में क्या अन्तर है?

5) महाकवि भास की त्रयोदश नाट्य रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

6) ''याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा'' सूक्ति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7) दशरूपकम् के अनुसार नाटक को रूप तथा रूपक क्यों कहा जाता है? रूपक के दश भेदों का उल्लेख कीजिए।

8) मुद्राराक्षसम् नाटक के नामकरण की समीक्षा कीजिए।

9) मृच्छकटिकम् नाटकानुसार ''बहुदोषा हि शर्वरी'' सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) मुद्राराक्षसम् नाटक की भाषा शैली का वर्णन कीजिए।

11) गीतिकाव्य के उद्भव एवं विकास पर लेख लिखिए।

12) मृच्छकटिकम् के आधार पर शूद्रक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

13) मुद्राराक्षसम् नाटक के आधार पर चाणक्य एवं राक्षस का तुलनात्मक चरित्र चित्रण कीजिए।